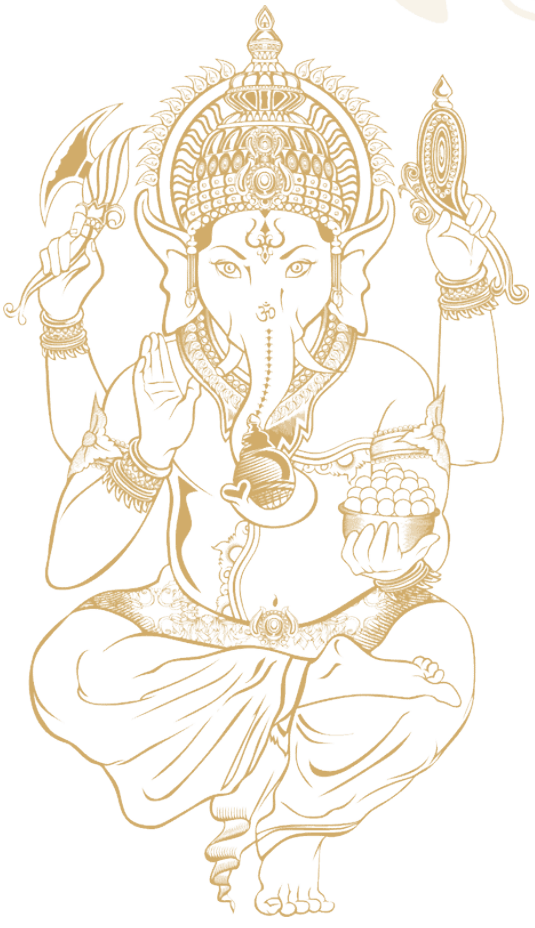

Kapil

16 Jul 1987

03:20 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121946211

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**15-16/07/1987**
दिन	बुध-गुरुवार
जन्म समय	**03:20:00 घंटे**
इष्ट	54:27:53 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	02:58:52 घंटे
वेलान्तर	-00:05:51 घंटे
साम्पातिक काल	22:31:43 घंटे
सूर्योदय	05:32:50 घंटे
सूर्यास्त	19:20:51 घंटे
दिनमान	13:48:01 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	29:11:20 मिथुन
लग्न के अंश	28:29:26 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**उ०भाद्रपद - 1**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	शोभन
करण	गर
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सर्प
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	दू-दूधेश्वर
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	28:29:26	344:27:37	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	---
सूर्य			मिथु	29:11:20	00:57:13	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	सूर्य	सम राशि
चंद्र			मीन	05:04:01	13:50:36	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	सम राशि
मंगल		अ	कर्क	12:11:35	00:38:14	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	मंगल	नीच राशि
बुध			मिथु	13:44:07	00:03:06	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	बुध	स्वराशि
गुरु			मेष	04:06:52	00:06:23	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	चंद्र	मित्र राशि
शुक्र			मिथु	18:39:35	01:13:33	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	चंद्र	मित्र राशि
शनि	व		वृश्चि	21:45:55	00:03:02	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	सूर्य	शत्रु राशि
राहु	व		मीन	11:33:13	00:00:27	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	चंद्र	सम राशि
केतु	व		कन्या	11:33:13	00:00:27	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	मंगल	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृश्चि	29:54:57	00:02:02	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	---
नेप	व		धनु	12:29:19	00:01:32	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
प्लूटो	व		तुला	13:28:04	00:00:05	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	---
दशम भाव			कुंभ	12:28:25	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:40:58

लग्न-चलित

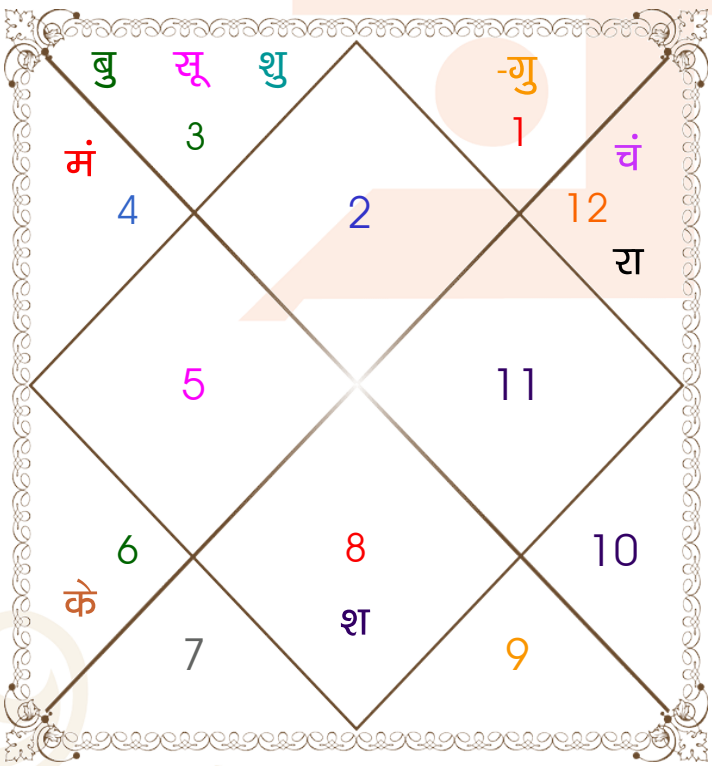

चन्द्र कुंडली

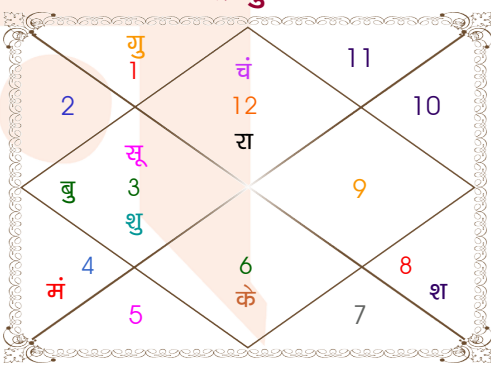

नवमांश कुंडली

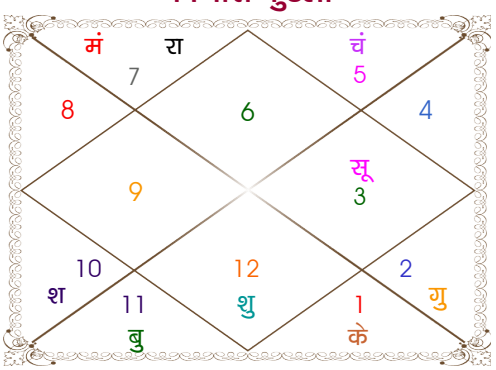

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 16 वर्ष 6 मास 10 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
16/07/1987		25/01/2004		24/01/2021		25/01/2028		25/01/2048	
25/01/2004		24/01/2021		25/01/2028		25/01/2048		25/01/2054	
शनि	28/01/1988	बुध	23/06/2006	केतु	22/06/2021	शुक्र	27/05/2031	सूर्य	14/05/2048
बुध	07/10/1990	केतु	20/06/2007	शुक्र	23/08/2022	सूर्य	26/05/2032	चंद्र	12/11/2048
केतु	16/11/1991	शुक्र	20/04/2010	सूर्य	28/12/2022	चंद्र	25/01/2034	मंगल	20/03/2049
शुक्र	16/01/1995	सूर्य	24/02/2011	चंद्र	29/07/2023	मंगल	27/03/2035	राहु	12/02/2050
सूर्य	29/12/1995	चंद्र	26/07/2012	मंगल	26/12/2023	राहु	26/03/2038	गुरु	01/12/2050
चंद्र	29/07/1997	मंगल	23/07/2013	राहु	12/01/2025	गुरु	24/11/2040	शनि	13/11/2051
मंगल	07/09/1998	राहु	09/02/2016	गुरु	19/12/2025	शनि	25/01/2044	बुध	18/09/2052
राहु	14/07/2001	गुरु	17/05/2018	शनि	28/01/2027	बुध	25/11/2046	केतु	24/01/2053
गुरु	25/01/2004	शनि	24/01/2021	बुध	25/01/2028	केतु	25/01/2048	शुक्र	25/01/2054

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
25/01/2054		25/01/2064		25/01/2071		24/01/2089		25/01/2105	
25/01/2064		25/01/2071		24/01/2089		25/01/2105		00/00/0000	
चंद्र	25/11/2054	मंगल	22/06/2064	राहु	07/10/2073	गुरु	14/03/2091	शनि	17/07/2107
मंगल	26/06/2055	राहु	11/07/2065	गुरु	02/03/2076	शनि	25/09/2093		00/00/0000
राहु	25/12/2056	गुरु	17/06/2066	शनि	07/01/2079	बुध	01/01/2096		00/00/0000
गुरु	26/04/2058	शनि	26/07/2067	बुध	26/07/2081	केतु	07/12/2096		00/00/0000
शनि	25/11/2059	बुध	23/07/2068	केतु	13/08/2082	शुक्र	08/08/2099		00/00/0000
बुध	26/04/2061	केतु	19/12/2068	शुक्र	13/08/2085	सूर्य	27/05/2100		00/00/0000
केतु	25/11/2061	शुक्र	18/02/2070	सूर्य	08/07/2086	चंद्र	26/09/2101		00/00/0000
शुक्र	26/07/2063	सूर्य	26/06/2070	चंद्र	07/01/2088	मंगल	02/09/2102		00/00/0000
सूर्य	25/01/2064	चंद्र	25/01/2071	मंगल	24/01/2089	राहु	25/01/2105		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 16 वर्ष 6 मा 23 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के द्वितीय चरण में वृष लग्नोदय काल में हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर कन्या नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण उदित था। फलस्वरूप इस बात का द्योतक है कि आप (जन्मकाल) बाल्यावस्था से ही निश्चित रूप से सुखी, सुलभ, स्नेहयुक्त एवं आनंन्दित जीवन व्यतीत करेंगे। आप सदैव ही नारी तथा धन से युक्त रहकर आनंद प्राप्त करेंगे।

आप सफलता प्राप्ति हेतु अंतिम क्षण तक सत्प्रयास करते रहेंगे मुख्यतः आप जीवन के 28 वें वर्ष के पश्चात् अपने परिश्रम को साकार कर लेंगे।

यद्यपि आप सहज स्वभाव के प्राणी हैं। आप में कुछ मुख्य गुण है कि आप प्रशंसनीय व्यक्ति हैं। आप उतावला होकर शीघ्रता पूर्वक कोई भी निर्णय नहीं लेतें बल्कि शांत चित्त हो खूब सोच विचार करने के पश्चात् अपने विवेक से दूसरा कदम उठाते हैं।

आप अपनी योजना को तुलनात्मक ढंग से विभिन्न प्रकारेण अनुकूलता एवं प्रतिकूलता के संबंध में विस्तारपूर्वक अध्ययनकर कार्यरूप देते हैं। इसके पश्चात् अपनी आंकाक्षा को एकाग्रचित होकर संबंधित प्रस्ताव को समर्पित करते हैं। परंतु आप यदा-कदा स्वभाव से प्रीतिपूर्वक व्यवहार करते है जो आपके लिए बोझ-स्वरूप दबाव पूर्ण हो सकता है। इसलिए आपको एक बार ऐसा विचार करना चाहिए कि अपनी बुनियादी गुण को त्याग कर ही अपने विषयक कार्य को सफलता के द्वार तक पहुंचा सकते हैं।

आपको शारीरिक सुख भोग के लिए सतत कठिन परिश्रम करके ही पुरष्कार स्वरूप धन, संपत्ति प्रतिष्ठा एवं आरामदायक जीवन व्यतीत करने का सौभाग्य प्राप्त होगा। आप एक बार प्रगति के पथ पर अग्रसर हुए तों आपकी अपेक्षित धन संचय की लालशा पूरी हो जाएगी तथा बहुत अधिक धन संचय कर लेंगे। क्योंकि आप महान कृपण हैं अतः जीवन पर्यंत धन संपत्ति संचय करते रहेंगे।

आपको बहुत धनोपार्जन हेतु सुदंर एवं अनुकूल व्यवसाय आरामदायक वस्तुओं का व्यवसाय कृषि उपस्करों का व्यवसाय, वित्तीय (लेन-देन) दलाली का व्यवसाय, कलात्मक वस्तुओं का व्यवसाय, रत्नादि एवं ट्रांसपोर्ट (मालवाहक) संबंधी कार्यों के द्वारा अतिरिक्त धन उपार्जन कर सकेंगे।

आप सदैव ही विपरीत योनि के साथ आंख मिलाते रहना चाहते हैं। आप सदैव कामुकता पूर्ण आनंद प्राप्त करना पसंद करते हैं। अंततः आपके महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील जनेन्द्रीय को क्षति होने की आशंका है। अस्तु उत्तम यह है कि आप इस प्रवृत्ति का त्याग कर दें।

आप निरंतर सुखद एवं शांतिपूर्ण घरेलू जीवन व्यतीत करेंगे। यह संभाव्य है कि आप मुख्यतया अपना सर्वोत्कृष्ट जीवन साथी बनाएंगे।

वृष राशीय जातक को निर्देश है कि आप अपने पति/पत्नी अथवा मित्रता के लिए

उपयुक्त राशि कन्या, मकर, मीन एवं वृश्चिक राशि के जातक अनुकूल हैं। इन राशियों का योग मानवीय एवं आनंददायक होगा। आप सदैव ही अपने पारिवारिक प्रसन्नता हेतु बहुत कुछ करते रहते हैं। आप वांछनीय एवं स्वस्थ्य जीवन के लिए सभी वांछित वस्तुओं की व्यवस्था एवं समर्पण करते हैं।

यद्यपि आप विस्तृत सम्पत्ति के स्वामी होंगे। आप शांतचित्त हृष्ट-पुष्ट शरीर से युक्त, संवेदनशील एवं जीवन में कुछ समय के बाद हल्के रोगों की आशंका है। आप गले के संक्रमण, कफ एवं शीत प्रभाव से शरीर में फोड़ा-फुंसी, दाद खुजली एवं शारीरकि पीड़ा से पीड़ित रहेंगे। अस्तु समय-समय पर अपने पारिवारिक चिकित्सक से संबंधित रह कर, इन रोगों के प्रति सतर्क रहें।

सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।

आपके लिए अंक 2 एवं 8 अंक अनुकूल और महत्वपूर्ण है। परंतु अंक 5 आपके लिए त्याज्य है।

आपके लिए सभी रंगों में सुंदर एवं अति उत्तम रंग सफेद, हरा एवं गुलाबी रंग है। रंग लाल आपके लिए त्याज्य है।